

138

II/निग०/रीवा/भू-श०/२०१८/०४८६

न्यायालय श्रीमान् अध्यक्ष,राजस्व मण्डल ग्वालियर म०प्र० सर्किट कैम्प रीवा,संभाग

रीवा म०प्र०



RS 30/-

- 1- गंगा प्रसाद कुशवाहा तनय स्व० श्री तुलसीदास कुशवाहा उम्र लगभग 80 वर्ष,
 - 2- वंशगोपाल कुशवाहा तनय गंगा प्रसाद कुशवाहा उम्र 45 वर्ष, पेशा खेती,
 - 3- रामकुशल कुशवाहा तनय गंगा प्रसाद कुशवाहा उम्र 36 वर्ष, पेशा खेती,
- सभी निवासी अमरैया टोला निपनिया वार्ड क०-02 तहसील हुजूर, जिला रीवा म०प्र०
-----निगरानीकर्तागण

बनाम

श्रीमती लीलावती कुशवाहा पत्नी स्व० जमुना प्रसाद कुशवाहा उम्र 75 वर्ष, पेशा घरकार्य,
निवासी अमरैया टोला निपनिया वार्ड क०-02 तहसील हुजूर, जिला रीवा म०प्र०

-----गैरनिगरानीकर्ता

अधि० श्री शक्ति के. वाडेसा
व्हाट्स/17-01-18

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प्र०भू० राजस्व
संहिता 1959 ई०

कार्यालय ऑफ कोर्ट
राजस्व मण्डल म०प्र० ग्वालियर
(सर्किट कैम्प रीवा)

निगरानी विरुद्ध निर्णय व आदेश न्यायालय
श्रीमान् अपर आयुक्त महोदय, रीवा संभाग रीवा
द्वारा प्रकरण क०-578/अपील/2016-17 मे
पारित आदेश दिनांक 30.11.2017

मान्यवर्

निगरानी के आधार निम्नलिखित हैं :-

- 1- यहकि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 30.11.2017 गलत अवैधनिक व अनियमित होने के साथ ही प्रकरण के तथ्यों तथा प्रस्तुत लैखिक व मौखिक साक्ष्य के विपरीत होने से निरस्त किये जाने योग्य है।
- 2- यह कि विचारण न्यायालय ने निगरानीकर्तागण, को सुनवाई का अवसर नहीं दिया तथा आवेदिका का दो वर्ष पूर्व कब्जा होना प्रमाणित नहीं हुआ अतिक्रमिit भूमि का स्पष्ट विवरण व पहचान निश्चित नहीं है बेदखली का विवरण व दिनांक नहीं बताया गया जिस विन्दु पर ध्यान न देने में भूल की है। ऐसी स्थिति में बेदखली का आदेश नहीं किया जा सकता है।

Penalgy mal
17-1-18

गंगा

वंशगोपाल


Ar. D. S.

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-अ

मामला क्र० II/निग०/रीवा/भू-रा०/2018/0486

जिला-रीवा

गंगा प्रसाद कुशवाहा/लीलावती कुशवाहा

(1)	(2)	(3)
15.03.18	<ol style="list-style-type: none">1. प्रकरण प्रस्तुत।2. आवेदक तथा उनके अधिवक्ता की पुकार करायी गयी किन्तु सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है।3. चूकि आवेदक तथा अभिभाषक सूचना उपरांत उपस्थित नहीं है। अतः संहिता की धारा-35(2) के तहत प्रकरण अदम पैरवी में खारिज किया जाता है।4. आदेश की प्रति अधीनस्थ न्यायालय को भेजी जावे, तत्पश्चात प्रकरण पंजी से समाप्त होकर दा.द. हो। <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	